खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री (श्री राव वीरेन्द्र सिंह) : (क) से (ग) विदेशों को खाद्यान्नों के जो निर्यात किए जाते हैं वे समान्यतया उपहारों, जिन्स उधार अथवा वाणिज्यिक निर्यातों का रूप ले लेते हैं। वर्ष 1990 के दौरान ऐसे उपहारों अथवा जिन्स उधारों के लिए किसी करार पर हस्ताक्षर नहीं किए गए थे हालांकि अफगानिस्तान को 50,000 मीटरी टन गेहूं उधार देने और सोवियत संघ को 20,000 मीटरी टन चावल उपहार स्वरूप देने के बारे में विचार-विमर्श किया जा रहा था।

जहां तक वाणिज्यक निर्यात का संबंध है, बी ओ पी को समर्थन प्रदान करने के उपाय के रूप में राज्य व्यापार निगम खनिज और धातु व्यापार निगम को 1990-91 के दौरान 10 लाख मीटरी टन तक गेहूं और 5 लाख मीटरी टन तक गैर-बासमती चावल का निर्यात करने की इजाजत दी गई थी। 1990 के दौरान किए गए करारों का ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है।

(घ) भारतीय खाद्य निगम द्वारा स्वदेश में वसूल किए गए गेहूं के अपने स्टाक में से राज्य व्यापार निगम/खनिज और धातु व्यापार निगम को उपर्युक्त निर्यात के लिए गेहूं मोहैया किया गया था अतः किसानों को लाभांश देने का प्रश्न ही नहीं उठता।

Proposal to construct Railway Divisional Office at Nanded

1177. DR. BAPU KALDATE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the South Central Railway propose to construct Divisional offices at Nanded;

(b) if so, whether land for the purpose has been acquired by the railways; and

(c) if so, when the work is likely to be started and what is the time schedule, if any, for its completion?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) Yes, Sir, provided the land for the same is made available within the sanctioned funds.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

पर्यटन वर्ष

1178. **श्री रजनी रंजन साहू**: क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पर्यटन वर्ष को सफल बनाने के लिए क्या-क्या तैयारियां की गई हैं और अंग्रेजी तथा हिंदी में क्रमशः कितनी परिचय पुस्तिकायें तैयार की गई हैं;

(ख) पर्यटन पर केवल अंग्रेजी में अधिक साहित्य प्रकाशित करने और इसे हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की उपेक्षा करने के क्या कारण है; और

(ग) पर्यटन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में और अधिक साहित्य प्रकाशित करने के लिए क्या कदम उठाए जायेंगे?

पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उषा सिंह) : (क) आधार-संरचनात्मक सुविधाओं को सुदृढ़ करने और उनमें सुधार करने के लिए 17 नए यात्रा परिसंघों का अभिनिर्धारण किया गया है। भारत पर्यटन वर्ष 1991 के दौरान संवर्धन करने हेतु 40 मेले एवं त्योहारों की एक सूची बनाई गई है। गत 3 वर्षों में ब्रोशरों, निर्देशिकाओं और फैस्टिवल फोल्डरों का मुद्रण अंग्रेजी में किया गया था। साहित्य का मुद्रण हिन्दी में भी किया जाता है।

(ख) और (ग) हमारे विदेश स्थित कार्यालयों में उपयोग हेतु पर्यटन साहित्य का मुद्रण मुख्यतया अंग्रेजी में किया जाता

है । इस समय, वैष्णो देवी, मथुरा-वृन्दावन और शेखावटी जैसे स्थानों पर हिन्दी में ब्रोशरों का प्रकाशन किया जा रहा है । अन्य भारतीय भाषाओं में साहित्य का मुद्रण सामान्यतया राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है ।

कृषि में महिलाओं की सहभागिता को बढ़ाने के लिए कार्यक्रम

1179. **श्री रजनी रंजन साहू :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की सहभागिता के बढ़ाने और उनकी कार्य की दशाओं में सुधार करने के लिए विभिन्न राज्यों में, 1989-90 में इन्टरनेशनल फैडरेशन फार वीमैन इन एग्रीकल्चर और इण्डियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चर रिसर्च द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है और इस संबंध में वर्ष 1990-91 के लिए कौन-कौन से कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री जयन्तीलाल वीरचन्द भाई शाह) : महोदय, वर्ष 1989-90 और 1990-91 में कृषि में अन्तर्राष्ट्रीय महिला संघ और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जो कार्यक्रम आयोजित किया गया था उनमें निम्न शामिल थे :--

(i) 4 दिसम्बर, को कृषि दिवस पर महिला समारोह का आयोजन ;

(ii) कृषि विज्ञान केन्द्रों के कुल कार्यक्रमों में से 30 प्रतिशत व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम को खेतिहर महिला के लिए रखा जाना ;

(iii) कृषि में अखिल भारतीय अनुसंधान प्रयोजनाओं को आरंभ करना ;

(iv) अन्य विस्तार कार्यक्रमों जैसे क्षेत्र दिवसों, फार्म प्रदर्शन और किसान मेलों में महिलाओं को शामिल करने की दिशा में विशेष प्रयास किया जाना ; और

(v) सेमीनार और सम्मेलनों में खेतिहर महिला वैज्ञानिकों के भाग लेने के लिए प्राथमिकता देना ।

उपभोक्ता आन्दोलन

1180. **श्री रजनी रंजन साहू :** क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में उपभोक्ता आन्दोलन को बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई राष्ट्रीय स्तर की सेमीनार में क्या-क्या मुख्य सिफारिशें की गई थीं ;

(ख) इन सिफारिशों को कार्यान्वित करने के लिए सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है ; और

(ग) इन सिफारिशों को कब तक कार्यान्वित कर दिए जाने की संभावना है ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री (राव वीरेन्द्र सिंह) : (क) केंद्रीय सरकार ने हाल में कोई राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित नहीं की हैं । पिछली संगोष्टी 17-3-90 को आयोजित की गई थी ।

(ख) और (ग) उपर्युक्त को देखते हुए, प्रश्न नहीं उठता ।

स्व-वित्त पोषण योजना के अधीन मकानों का आबंटन

1181. **श्री रजनी रंजन साहू :** क्या **शहरी विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली विकास प्राधिकरण की स्व-वित्त पोषण योजना के अंतर्गत मकानों का आबंटन किये जाने संबंधी नियम क्या हैं ;

(ख) आबंटित मकानों को किन परिस्थितियों में रद्द कर दिया जाता है और उन्हें पुन: आबंटित किये जाने के संबंध में नियम क्या हैं ;